

Electricity Supply Undertaking, with the result that electrically operated agricultural appliances like thresher, Winnowing, tubewells, etc. cannot work and the farmers suffer greatly due to failure of electricity;

(b) whether it is a fact that the supply is regular hardly 15 days in a month;

(c) if so, the reasons therefor; and

(d) whether Government propose to construct double line for the regular supply of electricity in this area?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER (SHRI SIDDHESHWAR PRASAD): (a) Power loads in Zone No. 13 of the Delhi Electric Supply Undertaking are predominantly agricultural. This area is already supplied by two overhead H. T. Feeders. The Delhi Electric Supply Undertaking have reported 11 cases of breakdowns in power supply in this area during the period 1-1-70 to 22-4-1970 out of which six occurred on the Bhawana Feeder and the remaining 5 on the Khanjawala Feeder.

(b) No, Sir.

(c) The reasons for the breakdowns are mainly: snapping of conductors due to high winds; birdage; collision of motor vehicles against electric poles.

(d) In order to quickly localise and segregate line faults and thereby to expedite restoration of power supply in the event of break-downs, the Delhi Electric Supply Undertaking have formulated schemes for the installation of switching stations at Bhawana and Khanjawala.

ग्वालियर क्षेत्र के लिये सिंधु परियोजना पर निर्णय

7858. श्री रामावतार शर्मा: क्या सिंचाई तथा विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार पिछले दस वर्षों से मध्यप्रदेश के ग्वालियर क्षेत्र के लिए सिंधु परियोजना पर, जो कि देश में सबसे कम लागत की तथा सर्वोत्तम योजना है, कोई निर्णय नहीं ले सकी है;

(ख) यदि हां, तो क्या इस बारे में इस

बीच कोई निर्णय कर लिया गया है;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) यदि हां, तो परियोजना के कब तक चालू हो जाने की संभावना है ?

सिंचाई तथा विद्युत मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद): (क) से (घ). सिंधु नदी के जल संसाधनों के विकास के लिये प्रस्ताव मध्य प्रदेश सरकार से पहले 1966 में और फिर 1969 में प्राप्त हुए थे। प्रथम चरण में, हारसी सिंचाई प्रणाली में जल की अनुपूर्ति के लिये दायें तट की नहर के पोषण के लिये मोहिनी पर आवश्यक ऊंचाई तक एक बांध का निर्माण परिकल्पित था। नए क्षेत्रों के लाभ के लिये दूसरे चरण में इस की ऊंचाई को बढ़ाने का प्रस्ताव था।

जब कि इनकी जांच की जा रही थी, मध्यप्रदेश के इंजीनियरों ने केन्द्रीय जल तथा विद्युत आयोग को सूचित किया कि राज्य सरकार अनुसूचीय दिशा में पहले से भी आगे एक स्थल पर विद्युत बनाने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। इन अद्यतन प्रस्तावों की रिपोर्ट राज्य सरकार से प्रतीक्षित है।

रांची में भारतीय सुरक्षा दल के केप्टन का लापता हो जाना

7859. श्री हुकूम चन्ध कछवाय:

श्री राम गोपाल शालवाले:

श्री यशवन्त सिंह कुशावाह:

श्री यशपाल सिंह:

श्री रामावतार शर्मा:

क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि रांची (बिहार) में तैनात भारतीय सुरक्षा दल का एक कैप्टन 25 फरवरी, 1970 से लापता है;

(ख) क्या सरकार ने इस बारे में विस्तृत जांच कराई है;

(ग) यदि हाँ, तो उसके क्या परिणाम निकले हैं;

(घ) क्या सरकार को शंका है कि शत्रुओं द्वारा उसका अपहरण कर लिया गया है; और

(ङ) इस बारे में सरकार का विचार क्या कार्यवाही करने का है ?

प्रतिरक्षा और इस्पात तथा भारी इन्जीनियरिंग मन्त्री (श्री स्वर्ण सिंह) : (क) से (ङ). एक कप्तान जो कि रांची में तैनात था, उसे 10 दिन का आकस्मिक छुट्टी 22 फरवरी 1970 से मंजूर की गई थी। छुट्टी समाप्त होने पर वह ड्यूटी पर दुबारा नहीं आया। बाद की जांच से एक व्यक्ति के मार्च-अप्रैल 1970 के दौरान संचलन के बारे में पता चला है, जो कि गुम हुआ अफसर हो सकता है। ईस्टर्न कमांड मुख्यालय ने अपने कमान के अन्तर्गत सब यूनिटों को निर्देश दिए हैं कि सिविल पुलिस से सहायता लेकर तथा सम्पर्क स्थापित करके अफसर का पता लगाया जाय। एक जांच अदालत का भी आदेश दे दिया गया है।

Expenditure on Publication of Speeches of Chairman, Indian Motion Pictures Export Corporation

7860. SHRI BABURAO PATEL: Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state:

(a) the amount spent by the Indian Motion Pictures Export Corporation in 1969 to get the speeches of Chairman, Indian Motion Pictures Export Corporation published in the news-papers and the dates of publication;

(b) whether there is a provision for this type of expenditure in the working and constitution of the Corporation; and

(c) if not, the reasons for this expenditure?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (SHRI RAM SEWAK): (a) The Indian Motion Picture Export Corporation, Bombay spent Rs. 22,327/- for the Publication of the speeches of the Chairman during 1969. A statement giving dates of publications is attached.

(b) Under the Memorandum of Association of Indian Motion Picture Export Corporation, the Board of Directors are authorised to incur expenses for the propagation and publicity of the activities of Indian Motion Picture Export Corporation.

(c) Does not arise.

Statement

Date of Publication of Speeches of the Chairman, Indian Motion Pictures Export Corporation in the Newspapers.

26th August, 1969.
29th August, 1969.
30th August, 1969.
31st August, 1969.
2nd September, 1969.
3rd September, 1969.
5th September, 1969.
9th September, 1969.
11th September, 1969.
September, 1969.
October, 1969.

Manufacture of T. V. Sets by Small Scale Industries Development Organisation

7861. SHRI D. N. PATODIA:
SHRI SAMINATHAN:
SHRI CHENGALRAYA NAIDU:
SHRI N. R. LASKAR:
SHRI DHANDAPANI:

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether the Small Scale Industries Development Organisation has manufactured a totally indigenous T. V. set;

(b) if so, whether Government have considered the desirability of mass manufacture of such sets; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI L. N. MISHRA): (a) to (c). Capacity to manu-